पेज -3 पर

नई सोच, नया आयाम

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

RNI No. CHHHIN/2009/35020

◆ वर्षः -14 ◆ अंकः 215 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्यः 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, मंगलवार 14 जून 2022

सुकमा के जसराज जैन रायपुर में होंगे सम्मानित

जिले में बाल उन्मूलन सप्ताह 20 जून तक

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

मुख्यमंत्री ने कबीर जयंती की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 14 जून को संत कबीर की जयंती पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। अपने बधाई संदेश में श्री बघेल ने कहा है कि संत कबीर साहेब का जीवन दर्शन हर युग में प्रासंगिक है। संत कबीर ने अपने दोहों के माध्यम से भाईचारे, प्रेम, सद्भावना और सामाजिक समानता का संदेश दिया। उन्होंने समाज में फैले आडंबर और जात-पात का सख्त विरोध किया। अपने दोहों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक कुरीतियों पर कठोर प्रहार किया और लोगों को सत्य, अहिंसा, दया, करूणा, परोपकार जैसे मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। छत्तीसगढ़ में भी संत कबीर के जीवनदर्शन का लोगों के जन-जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है।

शराब पीते आपस में भिड़ गए युवक

रायपुर । त्रिमूर्ति नगर रेलवे पटरी के किनारे शराब पीने के दौरान मामूली विवाद पर एक युवक ने दूसरे युवक पर धारदार हथियार से हमला कर चोट पहुंचाया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी तुषार बाग 19 वर्ष अपने दोस्तों के साथ त्रिमूर्ति नगर स्थित रेलवे पटरी के किनारे बैठकर शराब पी रहा था। तभी किसी बात को लेकर उनका आपस में विवाद हो गया।

पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए शिक्षा विभाग का नया प्रयोग, छात्रों को आसपास घुमाने भी ले जाएंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नए शिक्षा सत्र से बस्ता विहीन स्कूल का प्रयोग शुरू हो सकता है। शिक्षा विभाग ने स्कूलों में किसी-किसी दिन छात्रों के लिए बस्ता नहीं लाने वाला दिन घोषित करते रहने का निर्देश जारी किया है।

इस दिन बिना स्कूल बैग के स्कूल पहुंचे बच्चों को स्थानीय कारीगरों, मजदूरों, व्यवसायियों का काम दिखाने की व्यवस्था की जाएगी ताकि वे इन व्यवसायों से परिचित हो सकें। स्कूल शिक्षा विभाग ने नए शिक्षा सत्र में बच्चों की उपस्थिति पर विशेष जोर दिया है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है, कोरोना लॉकडाउन की वजह से बच्चों की शाला में नियमित उपस्थिति की आदत में बदलाव

छत्तीसगढ़ में कभी-कभी बिना स्कूल बैग का स्कूल

हुआ है। ऐसी स्थिति में आगामी शिक्षा सत्र में बच्चों की नियमित उपस्थिति के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। सभी स्कूलों में कुछ दिनों विशेषकर अवकाश के दौरान उनके आसपास के विभिन्न व्यवसायों से परिचित करवाने कहा गया है। इसके लिए ऐसे आवश्यक एवं उपयोगी कौशलों के विकास के लिए स्थानीय कुशल कामगारों के साथ बच्चों को मिलवाया जाएगा। बस्ताविहीन दिनों का आयोजन कर बच्चों को विभिन्न उपयोगी कौशल सीखने के समुचित अवसर दिए जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से समुदाय की बैठक लेकर उन्हें अपने बच्चों को नियमित शाला में भेजे जाने के लिए प्रेरित करने को भी कहा है।

कई दिन नहीं आए तो घर पहुंचेंगे साथी

जिला शिक्षा अधिकारियों को कहा गया है, नियमित शत-प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चों की पहचान कर प्रतिमाह ऐसे बच्चों को पुरस्कृत करने की दिशा में कार्य किया जाए। अनियमित उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के घरों में दूसरे विद्यार्थियों को भेजकर कारणों का पता लगाने की कोशिश करना है। उनके पालकों को सूचित कर बच्चों को नियमित स्कूल भेजे जाने की आवश्यक व्यवस्थाएं की जाए। प्रधानाध्यापक इस बात पर विशेष ध्यान दें कि कोई भी कक्षा खाली न जाए। लगातार कक्षाएं नहीं होने की वजह से बच्चे धीरे-धीरे स्कूल आना छोड़ देते हैं। शिक्षक भी कक्षा में नियमित रूप से उपस्थित रहें और अपनी कक्षाओं को रोचक एवं व्यावहारिक तरीके से संचालित करने का प्रयास करें।

राहुल गांधी की पेशी पर संग्राम

दिल्ली पुलिस ने लगाई धारा 144, सत्याग्रह मार्च पर अड़ी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेशी के दौरान कांग्रेस के प्रस्तावित मार्च से पहले दिल्ली पुलिस ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय के आसपास अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लगा दी और कहा कि इसका उल्लंघन नहीं किया जाए। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली में अघोषित आपातकाल बताते हुए सत्याग्रह मार्च के फैसले पर आगे बढ़ने की बात कही है। पार्टी के कई बड़े नेताओं की मौजूदगी में पार्टी दिल्ली में शक्ति प्रदर्शन को तैयार है।

इसके लिए पार्टी के सांसदों और वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। नई दिल्ली क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त की ओर से जारी आदेश में कहा गया है, 'धारा 144 लगाई गई है। आप लोगों से आग्रह है कि इसका उल्लंघन नहीं करें, अन्यथा

कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' पुलिस ने कांग्रेस के मुख्यालय के ईद-गिर्द के रास्तों पर अवरोध लगा दिए हैं।

23 जून को सोनिया गांधी भी तलब

ईडी ने 'नेशनल हेराल्ड' से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में राहुल गांधी को पूछताछ के लिए बुलाया है। जांच एजेंसी ने इससे पहले राहुल गांधी को 2 जून को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने पेश होने के लिए कोई दूसरी तारीख देने का अनुरोध करते हुए कहा था कि वह देश से बाहर हैं। जांच एजेंसी ने इसी मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को 23 जून को तलब किया है। पहले उन्हें आठ जून को पेश होने के लिए नोटिस दिया गया था। हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष ने पेश होने के लिए और समय मांगा था क्योंकि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हैं तथा अब तक स्वस्थ नहीं हुई हैं।

सुरजेवाला बोले- हम संविधान के रक्षक

दिल्ली पुलिस की ओर से अनुमति दिए जाने के इनकार के बाद पार्टी के प्रवक्ता रंदीप सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्याग्रह मार्च पर अडिग है। कांग्रेस पार्टी ने देशभर में सत्याग्रह मार्च की तैयारी की है तो बीजेपी ने इसे फर्जी सत्याग्रह करार दिया है। सुरजेवाला ने सोमवार सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम राहुल गांधी के नेतृत्व में ईडी ऑफिस तक शांतिपूर्ण मार्च निकालेंगे। हम संविधान के रक्षक हैं। हम ना डरेंगे और ना झुकेंगे। बड़ी संख्या में पुलिसफोर्स को तैनात करके मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि वह कांग्रेस से हिली हुई है।

रायपुर में ईडी दफ्तर के बाहर हंगामा

राहुल के समर्थन में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर पहुंचे कांग्रेसी

रायपुर। राहुल गांधी के समर्थन में कांग्रेस ने रायपुर में भी प्रदर्शन किया है। पचपेड़ी नाका के पास पुजारी पार्क स्थित प्रवर्तन निदेशालय-श्वष्ठ के कार्यालय के बाहर कांग्रेस ने खूब हंगामा किया। पहले तो सड़क की दूसरी तरफ धरना दिया। बाद में कांग्रेस नेताओं का पूरा मोर्चा कार्यालय परिसर में पहुंच गया। वहां पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका तो प्रदर्शनकारी नेता बैरिकेड पर चढ़ गए।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम की अगुवाई में कांग्रेस नेता 11 बजे के बाद टिकरापारा के पास पुजारी पार्क पहुंचे। वहां सड़क की दूसरी तरफ पंडाल में बैठकर नेताओं ने सत्याग्रह शुरू किया। कोई भाषण नहीं हुआ। सभी ने अपने हाथ में राहुल गांधी के समर्थन में तख्तियां पकड़ी हुई थीं। इस दौरान नारेबाजी जारी रही। बाद में महात्मा गांधी के प्रिय भजनों में से

जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा

बाद में कांग्रेस नेताओं ने जिला प्रशासन के अफसर को एक ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में श्वष्ठ की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई थी। ज्ञापन में कार्रवाई को द्वेषपूर्ण बताया गया है।

एक 'रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम' की धुन बजती रही। इस दौरान माहौल बिल्कुल शांत रहा। सड़क के दूसरी तरफ पुजारी पार्क परिसर के बाहर पुलिस ने सुरक्षा घेरा बना रखा था। दोपहर 12.30 बजे के बाद सत्याग्रह पर बैठे नेताओं ने उठकर पुजारी पार्क परिसर की ओर कूच कर दिया। पुलिस ने वहां बैरिकेड कर उनका रास्ता रोका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यहां बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम खुद एक बैरिकेड पर चढ़कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

ईडी दफ्तर के बाहर मुख्यमंत्री भूपेश हिरासत में

दिल्ली पुलिस से सीएम सुरक्षा अधिकारियों की नोकझोंक, विधायक विकास उपाध्याय भी गिरफ्तार

रायपुर/ नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय-श्वष्ठ के बाहर प्रदर्शन कर रहे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

इस दौरान मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारियों के साथ दिल्ली पुलिस की तीखी नोकझोंक भी हुई। बघेल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे थे। ऐसे ही एक प्रदर्शन में शामिल रायपुर से कांग्रेस विधायक विकास उपाध्याय को भी दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सुबह 10 बजे ही दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय पहुच गए थे। वहां प्रेस से बात करते हुए उन्होंने कहा, केंद्र सरकार, सरकारी

संस्थाओं के माध्यम से कांग्रेस के नेताओं को डराने की कोशिश कर रही है। हम डरने वाले नहीं हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर केंद्र की सरकार द्वारा की जा रही नफरत और डर की राजनीति को जनता तक पहुंचाएंगे। कांग्रेस, केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को आम जनता तक पहुंचाएगी। कांग्रेस मुख्यालय में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सभी बड़े नेता मौजूद थे। कुछ देर बाद वहां राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी पहुंचे। बाद में सभी लोग राहुल गांधी के साथ ही प्रवर्तन निदेशालय की ओर रवाना हुए। पुलिस की बेरीकेडिंग की वजह से प्रदर्शन कई टुकड़ों में बंट गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को श्वष्ठ दफ्तर के बाहर सड़क पर डिटेन कर लिया गया। वहां पुलिस ने भारी बेरीकेट, गाड़ियां लगाई थीं। वहीं मुख्यमंत्री के चारो तरफ रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की भारी तैनाती कर उनका कहीं भी जाना रोक दिया गया। मुख्यमंत्री के साथ मौजूद छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों ने उनको सुरक्षा घेरे में ले लिया। इस बीच दिल्ली पुलिस के अधिकारी सीएम को अपने साथ ले जाने की बात कहने लगे।

सरेआम शराब पीते 26 आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर । राजधानी पुलिस ने दूसरे दिन भी नशेडियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए सरेआम शराब पीते 26 आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान चलाते हुए गोलबाजार पुलिस ने धोबी गली शास्त्री बाजार के पास शराब का सेवन करते हुए आरोपी ताहिर बेग 38 वर्ष, शेख जमील 32 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह आजाद चौक पुलिस ने आरोपी गोलू ताण्डी 24 वर्ष, नरेश साहू 31 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी प्रकाश नौतानी 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह पुरानी बस्ती पुलिस ने आरोपी मिलाप निषाद 34 वर्ष, राजेश निषाद 32 वर्ष, दिनेश देवांगन 40 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

विधानसभा उपाध्यक्ष ने रेत माफिया पर मारा छापा

पुलिस जीप में बैठकर मौहूद खदान पहुंचे मनोज मंडावी; कहा-प्रशासन की मिलीभगत, शासन को बदनाम कर रहे

कांकेर। छत्तीसगढ़ विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मंडावी ने रविवार देर रात अवैध रेत का खनन करने वालों पर छापा मारा। पुलिस की जीप में बैठकर विधानसभा उपाध्यक्ष मौहूद रेत खदान पहुंचे तो वहां कई ट्रक और दूसरे वाहनों के जरिए खनन चल रहा था। पुलिस को देखते ही तस्कर अपने वाहन छोड़कर भाग निकले।

विधानसभा उपाध्यक्ष ने इसके लिए प्रशासन की मिलीभगत बताई है। उन्होंने कहा कि शासन को प्रशासन बदनाम कर रहा है।

जानकारी के मुताबिक,

विधानसभा उपाध्यक्ष और भानुप्रतापुर से विधायक मनोज मांडवी को गांव वालों से शिकायत मिली थी कि देर रात अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस को बताया और उनकी जीप में ही आगे बैठकर चारामा स्थित मौहूद रेत खदान में छापा मारा। पुलिस को आते देख अवैध उत्खनन में लगे लोगों में भगदड़ मच गई। इस दौरान पुलिस ने 7 हाइवा और 2 चेन माउंटेन जब्त किया है।

खदान की लीज रद्द कराएंगे

विधायक मनोज मांडवी ने बताया की रात 10 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। ये रेत माफिया बिना फिट पास और नियमों को ताक में रखकर सैकड़ों घन मीटर रेत की खुदाई कर रहे हैं। उन्होंने अवैध उत्खनन में प्रशासन की मिली भगत का भी आरोप लगाया है। कहा कि खदान की लीज रद्द कराने की कार्रवाई करेंगे। ऐसा नहीं हुआ तो धरना देंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा था कि पंचायत इसे संभालेगी, इसके बाद भी प्रशासन धड़ल्ले से रेत खनन करा रहा है।

सीएम ने कहा था-अवैध उत्खनन हुआ तो कलेक्टर-SP जिम्मेदार

दरअसल, नदियों में होने वाले अवैध उत्खनन को रोकने के लिए करीब 5 माह पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रेत माफिया के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कहा था कि माफिया पर कार्रवाई नहीं होने पर सीधे तौर पर कलेक्टर और SP जिम्मेदार होंगे। इसके बाद प्रशासनिक अफसरों ने लगातार कार्रवाई की, लेकिन फिर सब कुछ ठंडे बस्ते में चला गया।

अल्टीमेटम.. थानेदार बोले-कांड किया तो पहले टांगें तोड़ूं दूंगा

थाने में जमा 404 गुंडों को हड़काया, बोले- लिस्ट में तुम्हारे नाम है, अल्टीमेटम समझना

रायपुर। रायपुर की पुलिस इन दिनों एक्शन में नजर आ रही है। शहर के अलग-अलग गलियों से बदमाशों को दबोचने के बाद अब थाने बुलाकर गुंडों को हड़काया जा रहा है। पुलिस की तरफ से साफ तौर पर इलाके के बदमाशों को नसीहत दे दी गई है कि अगर किसी वारदात में शामिल पाए गए तो पुलिस छोड़ेगी नहीं । रायपुर के स्स्क्कप्रशांत अग्रवाल ने सभी थाने के प्रभारियों को सख्त हिदायत दे दी है। स्स्क्क ने थानेदारों को जिम्मेदारी दी है कि किसी भी इलाके में पुराने बदमाश अगर का कोई कांड करते पाए गए तो थानेदार के ऊपर भी

एक्शन होगा। लिहाजा थानेदार सख्ती बरतते हुए इलाके के बदमाशों को दो टूक फरमान सुना रहे हैं। ऐसा ही एक वीडियो भी सामने आया है, वीडियो में डीडी नगर थाने के नए प्रभारी कुमार गौरव बदमाशों से ये कहते हुए दिख रहे हैं कि अगर किसी कांड में शामिल पाए गए तो टांगे तोड़ दूंगा..।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

शहर के मौदहापारा, खमतराई, पुरानी बस्ती, गुढ़ियारी जैसे थानों में भी इसी तरह से बदमाशों को बुलाकर पुलिस ने सख्त अंदाज में अल्टीमेटम दे दिया है।

404 पहुंचे थाने - खास अभियान के तहत रायपुर के अलग-अलग थानों के बदमाशों को पुलिस का बुलावा मिला तो 404 निगरानी बदमाश थाने में पहुंचकर हाजिरी लगाने आए। पुलिस ने इस वक्त बदमाश कहां रह रहे हैं, क्या कर रहे हैं, इस तरह की तमाम जानकारी हासिल की। इलाकों में सर्चिंग भी की गई तब डेढ़ सौ ऐसे ही लिस्टेड बदमाश जेलों पाए गए। कुछ शहर से बाहर गए हुए हैं, उन्हें भी जल्द शहर लौटकर हर रोज थाने आकर हाजिरी देने को कहा गया है।

116 से ज्यादा गिरफ्तार

एक दिन पहले ही रायपुर पुलिस की तरफ से चलाए गए स्पेशल चेकिंग अभियान के दौरान 68 केस में 78 आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई, 7 मामलों में आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट, 1 केस में आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट, 17 मामलों में 20 बदमाशों के खिलाफ जुआ सट्टा, 10 मामलों में 10 आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 116 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

देवयानी चिटफंड फॉड

4.14 करोड़ इसी हफ्ते 10 हजार पीड़ितों के खाते में, जितना डूबा उसका 20% मिलेगा

रायपुर। देवयानी चिटफंड कंपनी के दस हजार पीड़ितों को 10 साल बाद उनके डूबे पैसे 17 जून को मिल जाएंगे। कंपनी की प्रॉपर्टी को बेचने से प्रशासन को 4.14 करोड़ मिले हैं। यही पैसे पीड़ितों को बांटे जाएंगे। हालांकि कंपनी में लोगों के करोड़ों रुपए डूबे हैं, लेकिन उसकी सारी प्रापर्टी बेचकर भी उतनी रकम जमा नहीं की जा सकी है, इसलिए रकम वापसी के लिए 20 फीसदी का फार्मूला तैयार किया गया है।

यानी लोगों के जितने पैसे डूबेंगे, उसका 20 फीसदी मुआवजा दिया जाएगा। इन सभी लोगों को कुल जमा रकम का 20 फीसदी राशि वापस की जाएगी। यह रकम सीधे

उनके बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। रायपुर में पहली बार किसी चिटफंड कंपनी के पीड़ितों को पैसे लौटाए जा रहे हैं। हालांकि आधा दर्जन कंपनियों की प्रॉपर्टी नीलामी की प्रक्रिया चल रही है। अफसरों ने पहले सभी कंपनियों के पैसे एक साथ पीड़ितों को बांटना तय किया था, लेकिन बाकी कंपनियों की प्रॉपर्टी नीलामी कानूनी प्रक्रिया की वजह से लेट हो रही है। स्थिति को देखते हुए फिलहाल देवयानी चिटफंड कंपनी के पीड़ितों के पैसे बांटने का निर्णय लिया गया। सभी पीड़ितों के पैसे उनके खाते में ट्रांसफर किए जाएंगे। कंपनी के पीड़ितों की संख्या ज्यादा है लेकिन उसके अनुपात में पैसे नहीं मिले हैं।

आखिर कहां से बार-बार दुनिया में प्रकोप दिखाती हैं महामारियां, क्या चिंता की जरूरत

सारी दुनिया में 1960 के दशक के मध्य में चेचक की बीमारी के उन्मूलन के लिए कदम उठाए जा रहे थे। तब उन्मूलन की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए चेचक मरीजों को ढूंढ़ने की खातिर नियमित रूप से सघन जांचें चलती रहती थीं। वर्ष 1970 में, ऐसी ही एक जांच के दौरान अफ्रीका के देश जायरे (जिसे आजकल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, जहां चेचक का आखिरी मरीज 1968 में मिला था) में नौ साल के एक बच्चे में चेचक से मिलते-जुलते लक्षण और शरीर पर चकत्ते मिले।

जब सैंपल की जांच की गई, तो चेचक का विषाणु नहीं मिला। दुनिया की अन्य विषाणु प्रयोगशालाओं में बात करने के बाद पता चला कि उस बच्चे को जो बीमारी थी, वह उससे पहले मनुष्यों में कभी नहीं पाई गई थी। हां, यही विषाणु डेनमार्क की एक प्रयोगशाला में कुछ बंदरों में वर्ष 1958 में पाया गया था और तब उसको मंकीपॉक्स वायरस नाम दिया गया था। अब हम जानते हैं कि मंकीपॉक्स एक जूनोटिक अर्थात जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारी है।

वर्ष 1970 के बाद से मंकीपॉक्स बीमारी के मरीज अफ्रीका के 11 देशों में नियमित रूप से मिलते रहे हैं और इन देशों को इस बीमारी के लिए एंडेमिक (स्थानीय महामारी) माना जाता है। वर्ष 2017 से नाइजीरिया में मंकीपॉक्स बीमारी का प्रकोप चल रहा है और पिछले पांच वर्षों में अकेले नाइजीरिया में 550 मरीज मिले हैं और कुछ की मृत्यु भी हुई है। अफ्रीका के इन 11 देशों के बाहर पहली बार मंकीपॉक्स के मरीज वर्ष 2003 में अमेरिका में मिले थे।

दरअसल अफ्रीका से लाए गए कुछ जानवरों के साथ ये विषाणु अमेरिका पहुंचे और उसके बाद वहां के जानवरों से होते हुए इंसानों में इसके संक्रमण के मामले आए। तब से, कुछ अन्य देशों, जैसे कि इस्राइल और सिंगापुर में भी इसके मरीज मिले हैं। फिर, मई, 2022 में अचानक जैसे कुछ बदल गया। विगत छह मई को ब्रिटेन में एक व्यक्ति में मंकीपॉक्स की बीमारी मिली। यह व्यक्ति 20 अप्रैल को नाइजीरिया गया था और तीन मई को वहां से वापस लौट आया।

तब से जून के दूसरे सप्ताह तक, यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया महाद्वीपों के 29 देशों में मंकीपॉक्स बीमारी के करीब 1,000 मामले मिल चुके हैं। इनमें से अधिकतर देशों में यह बीमारी पहले कभी नहीं मिली थी। मंकीपॉक्स, चेचक विषाणु के परिवार का ही है। इस वायरस के दो प्रकार हैं, एक पश्चिमी अफ्रीकी रूप और दूसरा मध्य अफ्रीकी या कांगो बेसिन रूप। संक्रमण के बाद लक्षण आने में पांच से 21 दिन तक लग सकते हैं। लक्षणों में बुखार, शरीर दर्द और ग्रंथियों में सूजन आना मुख्य हैं।

कोविड के बाद मंकीपॉक्स

> आज के समय में, जब दुनिया एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, बीमारियों के एक देश से दूसरे देशों में फैलने की पूरी आशंका रहती है। कोविड-19 महामारी इसका जीवंत और ताजा उदाहरण है। भारत में भी अब तक मंकीपॉक्स विषाणु या उसका मरीज नहीं मिला है।

जहां पर यह बीमारी फैल रही है, वहां शरीर में चकत्ते बनना और ग्रंथियों में सूजन आना मंकीपॉक्स का संदेह देते हैं। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में इस बीमारी के गंभीर होने का खतरा अधिक रहता है। इस बीमारी में एक से 10 प्रतिशत संक्रमित की मृत्यु हो जाती है। अभी के प्रकोप में पश्चिमी अफ्रीकी रूप फैल रहा है, जो तुलनात्मक रूप से कम खतरनाक है। जैसा कि अधिकतर विषाणुजनित बीमारियों में होता है, इसकी कोई कारगर दवा नहीं है, और लक्षणों के आधार पर ही इसका इलाज किया जाता है।

मंकीपॉक्स के लिए कोई टीका नहीं है, परंतु चेचक का टीका इस बीमारी से भी बचाव करता है। लेकिन दुनिया से चेचक उन्मूलन के बाद वर्ष 1980 से चेचक का टीका लगना बंद हो गया था। जो लोग इसके पहले पैदा हुए थे, उनकी प्रतिरक्षा कितनी हो सकती है, यह कहना मुश्किल है। वर्ष 1980 के बाद पैदा हुए लोग अर्थात जिनकी उम्र 42 साल या उससे कम है, उन्हें कभी चेचक का टीका नहीं लगा है और कोई प्रतिरक्षा नहीं है। फिलहाल, चेचक के कुछ टीके अमेरिका तथा यूरोप के कुछ देशों में भंडारित रखे हुए हैं, लेकिन अधिकतर देशों में यह टीका उपलब्ध नहीं है, जिनमें भारत भी शामिल है।

आज के समय में, जब दुनिया एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, बीमारियों के एक देश से दूसरे देशों में फैलने की पूरी आशंका रहती है। कोविड-19 महामारी इसका जीवंत और ताजा उदाहरण है। भारत में भी अब तक मंकीपॉक्स विषाणु या उसका मरीज नहीं मिला है। अभी हो रहे प्रकोप (ऑउटब्रेक) में बीमारी के प्रसार को देखते हुए अगर आने वाले समय में भारत में भी मंकीपॉक्स का एक या अधिक मरीज आ जाए, तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। वैसे भी, पिछले कुछ वर्षों में भारत में कई नए विषाणु मिले हैं-जिनमें निपाह, जीका और वेस्ट नाइल वायरस भी शामिल हैं।

इसलिए, केंद्र और राज्य सरकारों को पूरी तैयारी रखनी चाहिए। विशेषज्ञ मानते हैं कि भले ही पिछले एक महीने में मंकीपॉक्स के मरीज कई देशों में मिले हैं, लेकिन इसके कोविड-19 की तरह वैश्विक महामारी में तब्दील होने की आशंका नहीं है। इसकी वजह यह है कि मंकीपॉक्स एक पुराना वायरस है, और इसकी रोकथाम के तरीके ज्ञात हैं। यह इतना संक्रामक भी नहीं है।

चंद्रकांत लहारिया

संपादकीय

कड़वी हकीकत का अहसास

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपमान का घूंट पी लिया है। कारण बढ़ती महंगाई और दूसरी आर्थिक दिक्कतें हैं। इनकी वजह से पश्चिमी देशों में ये अहसास गहराने लगा है कि यूक्रेन मसले पर आर्थिक युद्ध का पहला दौर रूस ने जीत लिया है। इसे जो बाइडेन की मजबूरी ही समझा जाएगा कि उन्हें सऊदी अरब जाने की योजना बनानी पड़ी है। 2020 में राष्ट्रपति चुनाव के समय बाइडेन ने सऊदी प्रिंस सलमान को दंडित करने का संकल्प लिया था। प्रिंस सलमान पर अखबार वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार जमाल खशोगी की हत्या करवाने का आरोप है। बहरहाल, यूक्रेन युद्ध ने हालाता इस तरह बदले कि मार्च में बाइडेन को खुद प्रिंस सलमान को फोन करना पड़ा। उधर प्रिंस की हिमाकत ऐसी कि उन्होंने फोन लेने से इनकार कर दिया। लेकिन ये अपमान भी बाइडेन पी गए। इसलिए यूक्रेन युद्ध के बाद बढ़ी तेल की महंगाई से बढ़ रही मुश्किलों का उन्हें कोई हल ढूंढना है। इसी कोशिश में उन्होंने वेनेजुएला से भी संपर्क साधा, जबकि अमेरिका ने वहां के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो को मान्यता तक नहीं दे रखी है। तो इसी मजबूरी में बाइडेन इसी महीने सऊदी अरब जाएंगे। ये खबर एक अमेरिकी अखबार ने दी है। दरअसल, बढ़ती महंगाई और दूसरी आर्थिक दिक्कतों के बीच पश्चिमी देशों में ये अहसास गहराने लगा है कि यूक्रेन मसले पर आर्थिक युद्ध का पहला दौर रूस ने जीत लिया है। सैनिक मोर्चे पर भी रूस को लगातार मिल रही सफलताओं से भी पश्चिमी राजधानियों में मायूसी का माहौल है।

परिवारवाद की राजनीति के खतरे, सत्ता के गलियारे में वोट बैंक और तुष्टिकरण का लक्ष्य

आजादी के बाद हमारे संविधान निर्माताओं ने देश में लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने और गरीब से गरीब व्यक्ति को इस व्यवस्था में आगे बढ़ने हेतु समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था अपनाई थी। हमारे संविधान और लोकतंत्र की मूल अवधारणा ही गरीब से गरीब व्यक्ति के सशक्तीकरण की थी। कालांतर में देश के लोगों का विश्वास इस बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था से डगमगाने लगा था।

ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि एक तो आजादी के आंदोलन के लिए बनी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस बाद में परिवार केंद्रित पार्टी हो गई। दूसरा यह कि अलग-अलग राज्यों में परिस्थितिवश जिन क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ, उन सभी पार्टियों पर परिवारवाद ने कब्जा जमा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार परिवारवाद की राजनीति के खतरे से देश को आगाह किया है। अब समय आ गया है कि समाज और राष्ट्र के विकास के लिए इस पर गंभीर चिंतन किया जाए और परिवारवाद की राजनीति खत्म की जाए। विगत करीब चार-पांच दशक से परिवारवादी पार्टियों ने हर क्षेत्र में प्रतिभाओं का गला घोंटा और राज्यों का विकास भी अवरुद्ध किया। इनका एकमात्र लक्ष्य किसी न किसी तरह से सत्ता हासिल करना और सत्ता में बने रहना ही हो गया। इन्होंने वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति करनी

आजादी के बाद

> आम जन चुनावों में परिवार आधारित दलों की बढ़ती संख्या से निराश हैं। भारतीय राजनीति में व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कई बार चुनाव सुधार पर बात की है। इस पर विचार होना चाहिए। भाजपा परिवारवादी पार्टियों से लगातार लड़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काफी हद तक जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति पर अंकुश लगा है।

शुरू की। इन परिवारवादी पार्टियों की सरकारों के शब्दकोश से 'सर्वांगीण विकास% शब्द गायब होने लगा। सत्ता-स्वार्थ की राजनीति में गरीब और गरीब होते चले गए और शोषित, वंचित, दलित, पिछड़े, आदिवासी एवं महिलाओं को दोयम दर्जे का नागरिक माना जाने लगा। परिवारवाद, वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति से समाज के एक बड़े वर्ग से विकास का हक छीना जाता है। कांग्रेस और दूसरी परिवारवादी पार्टियों ने, इनके वोट बैंक और राजनीति ने राजनीतिक दलों को अपना बंधक बना लिया है। कोई फैसला अगर देशहित में हो, तब भी वे उसका विरोध करने में नहीं हिचकिचाते। इसकी एक झलक हमने तब भी देखी, जब इन लोगों ने संसद में अनुच्छेद 370 को खत्म करने और तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त करने का विरोध किया था। इनकी इसी सोच ने सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमले के भी सबूत मांगे। परिवारवादी पार्टियों को देश की नहीं, वोट बैंक की, अपने परिवार की चिंता रहती है।

उन्हें देश के गरीबों की नहीं, अपनी तिजोरी की चिंता रहती है। यही कारण है कि आजादी के 70 साल बाद भी देश की लगभग तीन चौथाई आबादी के पास अपना बैंक एकाउंट तक नहीं था, गरीब महिलाओं के पास गैस सिलिंडर नहीं था, गरीबों के पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं था, पक्का घर नहीं था। आम जन चुनाव में परिवारवाद, वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति से क्षुब्ध और उद्वेलित थे। भाजपा अंत्योदय, एकात्म मानववाद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की विचारधारा पर अडिग है।

इसलिए वह कल भी परिवारवाद की राजनीति से मुक्त थी, आज भी मुक्त है और आगे भी परिवारवाद, जातिवाद, वोट बैंक और तुष्टिकरण के नासूर से मुक्त रहेगी। भाजपा में आज कोई अध्यक्ष है, तो कल कोई और बनेगा, जबकि इन परिवारवादी पार्टियों में एक ही परिवार के लोग पार्टी के सर्वोच्च पदों, और सत्ता में रहने पर सत्ता के शीर्ष पदों पर होते हैं। हर योजना एवं नीति को क्षेत्रवाद और संप्रदायवाद का रंग देने का प्रयास देश के भविष्य के लिए चिंता का विषय है।

अनिल बलूनी

मिला जुला

अपने परमाणु हथियार का विस्तार कर रहा भारत, पाकिस्तान और चीन भी नहीं हैं पीछेः रिपोर्ट

नई दिल्ली। स्टॉकहोम स्थित रक्षा थिंक टैंक SIPRI ने सोमवार को दावा किया कि जनवरी 2022 तक भारत के पास 160 परमाणु हथियार थे और ऐसा लगता है कि वह अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) ने एक बयान में कहा कि इसी तरह, पाकिस्तान भी अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है। SIPRI के बयान में कहा गया है, चीन पहले से ही अपने परमाणु हथियार शस्त्रागार के विस्तार में लगा है। सेटेलाइट तस्वीरों से संकेत मिलता है कि इसमें 300 से अधिक नए मिसाइल साइलो का निर्माण शामिल है। जनवरी 2021 के साथ-साथ जनवरी 2022 में चीन के पास 350 परमाणु हथियार थे।

यह दावा किया गया है कि जहां भारत का परमाणु भंडार जनवरी 2021 में 156 से बढ़कर जनवरी 2022 में 160 हो गया, वहीं पाकिस्तान का परमाणु भंडार जनवरी 2021 और जनवरी 2022 में 165 पर बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया, भारत और पाकिस्तान अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करते हुए दिखाई देते हैं, और दोनों देशों ने 2021 में नए प्रकार के परमाणु वितरण प्रणाली की शुरुआत की और इसे विकसित करना जारी रखा।

आने वाले वर्षों में दुनिया के परमाणु हथियारों के भंडार में वृद्धि होने की आशंका है जिसमें शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से गिरावट देखी गई थी। यह बात हथियारों की निगरानी करने वाली एक संस्था 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने सोमवार को कही।

भारत से गेहूं की डिमांड कर रहे ये 5 देश, अरब मुल्क भी शामिल

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद विवाद के बाद भारत को मुस्लिम देशों खासकर खाड़ी देशों में व्यापक स्तर पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है. इस विवाद को लेकर न सिर्फ भारत में हिंसक विरोध-प्रदर्शन हुए हैं, बल्कि कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से बाहर भी प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझना पड़ा है. कई खाड़ी देशों से तो ऐसी भी खबरें आईं कि वहां भारतीय सामानों का बहिष्कार किया जा रहा है. वहीं दूसरी ओर विभिन्न कारणों से दुनिया के सामने उपस्थित खाद्य संकट के बीच ऐसे पांच देशों ने भारत से गेहूं भेजने की रिक्वेस्ट की है, जहां भारत के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन हो रहे थे।

जरूरत और उपलब्धता का हो रहा मूल्यांकन

खबरों की मानें तो भारत को गेहूं के सबसे बड़े खरीदार इंडोनेशिया और बांग्लादेश समेत 5 देशों से गेहूं के लिए रिक्वेस्ट मिली हैं. खबरों में एक सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा जा रहा है, 'गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के बाद भारत को इंडोनेशिया, बांग्लादेश, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात और यमन से गेहूं के लिए अनुरोध मिले हैं. सरकार गेहूं की उनकी जरूरतों और घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता का मूल्यांकन कर रही है।'

बंगाल में लोकल ट्रेन पर भीड़ ने किया पथराव, बेथुआधारी रूट पर सभी ट्रेनें बंद

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में पैगंबर पर विवादित टिप्पणी के खिलाफ स्थानीय लोगों ने विरोध मार्च निकाला। लेकिन इस दौरान भीड़ अचानक बेकाबू हो गई। नदिया जिले के बेथुआधारी में एक लोकल ट्रेन पर हजारों की भीड़ ने हमला बोल दिया। करीब एक हजार लोगों की अनियंत्रित भीड़ ने ट्रेन पर अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में कुछ लोग घायल भी हुए हैं।

हिंसा पर पूर्व रेलवे ने जारी किया बयान

नदिया जिले के बेथुआधारी में ट्रेन पर पथराव के मामले में पूर्वी रेलवे का बयान भी सामने आया है। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एकलव्य चक्रवर्ती ने बताया कि एक हजार लोगों की अनियंत्रित भीड़ ने ट्रेन पर पथराव किया। इसमें कुछ लोग घायल हुए हैं। अभी तक, इस रूट पर कोई ट्रेन नहीं चल रही है। चक्रवर्ती ने कहा कि हम राज्य सरकार की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं।

बंगाल में लगातार हो रही हिंसा

बता दें कि पैगंबर पर नुपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी को लेकर पश्चिम बंगाल में लगातार हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को भी पुलिस पर पत्थर फेंके थे। इसके जवाब में पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को तितर-बितर किया था। उपद्रव हावड़ा के पंचला बाजार में हुआ था जहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प भी हुई। कल इस घटना के बाद देर शाम मुर्शिदाबाद में हिंसा भड़क गई।

नूपुर शर्मा, नवीन जिंदल की बढ़ीं मुश्किलें, अब भिवंडी पुलिस ने किया तलब

महाराष्ट्र में भिवंडी पुलिस ने निलंबित बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के सिलसिले में सोमवार को बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया है. एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चेतन काकड़े ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में बताया कि नूपुर के अलावा बीजेपी से निष्कासित पदाधिकारी नवीन कुमार जिंदल को भी ठाणे जिले की भिवंडी पुलिस ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित विवादास्पद ट्वीट पर 15 जून को

अपना बयान दर्ज करने के लिए कहा है। उन्होंने बताया कि रजा एकेडमी के एक प्रतिनिधि द्वारा 30 मई को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद भिवंडी पुलिस ने शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया था. पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने नवीन जिंदल के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है. इससे पहले ठाणे में मुंब्रा पुलिस ने नूपुर शर्म को 22 जून को उनके समक्ष पेश होने के लिए और मोहम्मद साहब पर अपनी टिप्पणी के लिए अपना बयान दर्ज कराने को कहा था।

प्रयागराज

3 जेसीबी 2 मंजिला इमारत...और 5 घंटे में जमींदोज हुआ मास्टरमाइंड जावेद का घर

प्रयागराज। प्रयागराज में 10 जून को हुई हिंसा मामले के मास्टरमाइंड बताए जा रहे जावेद मोहम्मद उर्फ जावेद पंप के घर रविवार को बुलडोजर चला. अटाला इलाके में हिंसा के मुख्य आरोपी के घर को गिराने की प्रक्रिया पूरी हो गई है. 3 जेसीबी ने 2 मंजिला इमारत को गिराया. 5 घंटे तक चली कार्रवाई के बाद ध्वस्तीकरण का काम पूरा हो गया है. प्रयागराज में आज कई घंटों की मशक्कत के बाद जावेद के घर को जमींदोज किया गया. प्रशासन को इस कार्रवाई में किसी तरह की

दिक्कत ना हो, इसके लिए भारी पुलिस बल तैनात किए गए थे. सबसे पहले जावेद के घर का मेन गेट बुलडोजर के निशाने पर था. इस दौरान ये भी ध्यान में रखा गया कि आसपास के घरों को कोई नुकसान ना पहुंचे. इस कार्रवाई को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने पूरा किया है। ध्वस्तीकरण का मामला पहले से ही संज्ञान में था और कागजी कार्रवाई भी चल रही थी. जावेद पंप को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है. इस कार्रवाई पर PDA का कहना था कि उसकी ओर से 10 मई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था. जावेद पंप को 24 मई को सुनवाई के लिए पेश होना था, लेकिन ना ही वो पेश हुआ और ना ही उसने कोई जवाब दिया। PDA का कहना था कि जावेद पंप ने बिना अनुमति के ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर 250X60 फीट का निर्माण कराया है।

तेजी से बढ़ रहा कोरोना का ग्राफ, 50 हजार के करीब पहुंचे एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस का ग्राफ फिर डरा रहा है. पिछले 24 घंटे में कोरोना के 8 हजार से ज्यादा (8,084) केस आए हैं. इसके अलावा 10 मरीजों की मौत भी हो गई है. चिंता की बात यह है कि कोविड के एक्टिव केस 50 हजार के करीब पहुंच गए हैं. फिलहाल भारत में सक्रिय मामले 47,995 हो गए हैं. वहीं संक्रमण दर 3.24 फीसदी है। कोविड केस आज कल (8329) के मुकाबले कम आए हैं. लेकिन लगातार दूसरे दिन यह आंकड़ा 8 हजार से ऊपर है.

जिला लघु वनोपज संघ में भ्रष्टाचार बेलगाम

लाख की फर्जी बिक्री-खरीदी में लाखों का गोलमाल

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जिला लघु वनोपज संघ द्वारा महासमुंद जिले में पहली बार वनधन योजना के तहत की गई 卐लाख卐 की खरीदी में लाखों का गोलमाल किया गया है। साल 2015-16 में समर्थन मूल्य पर जिला वनोपज संघ द्वारा 10 प्राथमिक समितियों के माध्यम से लाख की फर्जी बिक्री-खरीदी बताकर बड़ी आर्थिक अनियमितता बरती गई और शासन की आंखों में धूल झोंककर कमाई गई राशि का आपसी बंदरबांट भी कर दिया गया है।

मामले की उच्च स्तर पर शिकायत होने के बाद जांच की नौटंकी के साथ मामला ठण्डे बस्ते में डाल दिया गया है।

ज्ञातव्य है कि जिला वनोपज संघ द्वारा प्राथमिक समितियों के माध्यम से कुल 136 बार में 1 करोड़ से भी अधिक रूपयों का लाख खरीदा जाना दस्तावेजों में दर्ज है। इनमें अधिकांश ऐसे लोग है जिनका लाख पालन या संग्रहण और क्रय विक्रय से न कभी लेना देना था और ना है। फिर भी लाख के फर्जी खरीदी और भुगतान के खेल में अन्य ग्रामीण, किसान-मजदूर, तेंदुपत्ता फड़ मुंशी और

उनके परिजनों को लाख बेचने पर लाखों रूपये का भुगतान बताया गया है।

प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति मोहंदी में ग्राम नवागांव (हाड़ाबंद) की दंपत्ति पुरूषोत्तम पिता बलदाउ और प्रभा पति पुरूषोत्तम से 45 हजार 310 रूपये की लाख खरीदी किया जाना दरसाया गया है। जबकि वास्तवित तथ्य यह है कि ग्राम नवागांव में न कोई पुरूषोत्तम रहता है और न ही कोई प्रभा रहती है। मोहंदी समिति में ही तेंदुपत्ता फड़ मुंशी ग्राम अरण्ड निवासी कन्हैया एवं उसकी पत्नि संध्या को लाख बेचने पर 1 लाख 68 हजार तथा कन्हैया के अन्य परिजनों को 60 हजार 130 रूपये का भुगतान यिा जाना बताया है। अरण्ड के ग्रामीणों के अनुसार गांव का एक भी व्यक्ति आज तक लाख पालन या क्रय विक्रय के काम में शामिल नहीं हुआ है। फड़ मुंशी कन्हैया और उसका परिवार भी लाख पालन और क्रय विक्रय से पुर्णतः अलग है। फिर भी उन्हें लाख विक्रेयता बताकर लाखों का भुगतान कर दिया गया है।

मोहंदी समिति में ही बोगस खरीदी के तहत ग्राम हाड़ाबंद निवासी फड़ मुंशी टीकाराम सेन की पत्नि अर्चना भी लाख विक्रेयता बताई गई है और 38 हजार 970 रूपये का भुगतान बताया गया है। जबकि खुद अर्चना के पति टीकाराम ने पत्नि द्वारा लाख बेचने और भुगतान पाने की बात से साफ इंकार किया है।

उल्लेखनीय है कि प्राथमिक समिति तमोरा में ग्राम कुर्रूभांठा निवासी मिलन सिंह विश्वकर्मा और परिवार द्वारा 18 लाख 15 हजार 510 रूपये का लाख बेचे जाने के बाद भी आमाकोनी समिति में भी पृथक से 4 लाख 80 हजार रूपये का भुगतान पाना पूर्णतः संदेहास्पद तथा वास्विकता से परे है।

आमाकोनी समिति में भी ग्राम डुमरडीह निवासी इतवारी राम पिता सुखराम और अन्य परिजनों से 6 लाख 93 हजार 200 रूपये तथा ग्राम आमाकोनी के बलीराम पिता बनिहार और अन्य परिजनों से 5 लाख 53 हजार 960 रूपये मूल्य की लाख खरीदी की गई है। इस गड़बड़ी की जांच पर और भी चौकाने वाले तथ्य उजागर होंगे। प्राथमिक समिति मुढ़ीपार में उल्लेखित अवधी के दौरान केवल स्व सहायता समूहो से ही लाख खरीदना बताया गया है। इनमें से 5 समूह एक ही गांव धनौरा से है। जबकि 2 अन्य समूह अन्य ग्रामों से है। धनौरा ग्राम के कावेरी समूह को नियम विरूद्ध ढंग से नगद भुगतान भी बताया गया है। जांच में कागजी स्व सहायता समूह की सच्चाई सामने आ जाएगी।

चरोदा समिति में भी लाख की बोगस खरीदी और भुगतान के कारनामे को अंजाम दिया गया है। ग्राम आंवराडबरी की आधा दर्जन महिलाओं को लघु वनोपज लाख बेचने पर 3 लाख 11 हजार 600 रूपये के भुगतान किया जाना दस्तावेजों में दर्ज है। इसी समिति में ग्राम आमाकोनी के मायावती ध् लोभसिंह तथा भुनेश्वरी ध् महेश द्वारा भी 1 लाख 39 हजार 200 रूपये लाख बेचना बताया गया है। जबकि आमाकोनी में ही बिक्रय की सुविधा उपलब्ध होने से लाख विक्रेयता द्वारा दुरस्त समिति ने लाख बेचा जाना अपने आप में संदेह जनक है। सिंगरूपाली समिति में एक ही ग्राम कुर्रूभाठा के आनंद राम, इसर, पुनित, रामलाल गोड़ और कन्हैया कंवर को डेढ़-डेढ़ लाख रूपये की लाख खरीदी में समानता को स्वाभाविक नहीं माना जा सकता।

इसी तरह के अनेक तथ्यों को उदघृत करते हुये राज्यपाल, मुख्यमंत्री, वन मंत्री, मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन और मुख्य वन्य संरक्षक तथा मुख्य महाप्रबंधक छग राज्य लघु वनोपज संघ मर्या. से जिला युनियम महासमुंद के प्रबंध संचालक समिति प्रबंध को और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के बोगस खरीदी और शासन से धोखाधड़ी में शामिल होने पर लिखित शिकायत करते हुये जांच की मांग की गई थी जिस पर उप प्रबंधक रायपुर वृत्त द्वारा जांच की कार्रवाई के नाम पर शिकायतकर्ता स्वतंत्र पत्रकार मानिक गुप्ता सहित अन्यों के बयान लिये जा चुके है लेकिन कार्रवाई आज तक शून्य है।

34 हजार कीड़े बनाते है 1 किलो ग्राम लाख

लाख एक प्राकृतिक राल है बाकी सब राल कृत्रिम हैं। इसी कारण इसे 'प्रकृत का वरदान' कहते हैं। लाख के कीट अत्यन्त सूक्ष्म होते हैं तथा अपने शरीर से लाख उत्पन्न करके हमें आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक भाषा में लाख को 'लेसिफर लाखा' कहा जाता है। 'लाख' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'लक्ष' शब्द से हुई है, संभवतः इसका कारण मादा कोष से अनगिनत (अर्थात् लक्ष) शिशु कीड़ों का निकलना है। लगभग 34 हजार लाख के कीड़े एक किग्रा. रंगीन लाख तथा 14 हजार 4 सौ लाख के कीड़े एक किग्रा. कुसुमी लाख पैदा करते हैं।

आसान है लाख की खेती

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में फसलों की खेती के साथ-साथ कीड़ों की खेती भी की जाती है। इन कीड़ों की खेती के अंतर्गत मधुमक्खी पालन, रेशम कीट पालन तथा लाख कीटों की खेती की जाती है। मधुमक्खी पालन एवं रेशम कीट पालन हेतु विशेष ज्ञान की आवश्यकता के साथ समय भी काफी देना पड़ता है लेकिन लाख कीट पालन में थोड़े तकनीकी ज्ञान से तथा कम समय देकर इसकी खेती आसानी से की जा सकती है।

एक नजर

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिलदहा में शाला समस्त सम्माननीय सदस्यों का बैठक किया गया

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

ग्रीष्माअवकाश के पश्चात् 16 जून 2022 से शाला प्रारंभ के पूर्व संचालन की आवश्यक तैयारी हेतु शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिलदहा में शाला प्रबंधन विकास समिति एवं मध्यान्ह भोजन स्व-सहायता समूह के समस्त सम्माननीय सदस्यों का बैठक किया गया जिसमें शाला प्रवेश उत्सव एवं शत-प्रतिशत बच्चों का शाला में प्रवेश एवं ठहराव सुनिश्चित करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदा न करने विषय पर विस्तृत चर्चा किया गया है.इस अवसर पर शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्षा भुवनेश्वरी,मध्यान्ह भोजन स्व-सहायता समूह के अध्यक्षा अनिता बिरको, प्रधान पाठक शिवकुमार छत्रवांणी, शिक्षक राजेन्द्र कुमार गंधर्व, हरीश जायसवाल,सदस्य रमेश साहु, करूणा शयामले,सरजू बाई (पंच), सुनीता बिरको आदि उपस्थिति रहे ।

मंदिर से जेवर और नकदी चोरी

महासमुंद । बसना गढफुलझर स्थित प्रसिद्ध रणेश्वर रामचंडी मंदिर से शुक्रवार रात चोरों ने दान पेटी का ताला तोड़कर नकदी और सोना चांदी के जेवर पार कर दिए। शनिवार सुबह चोरी की सूचना मिलते ही समिति के अध्यक्ष ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई। थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस निखिल रायखेचा का कहना है कि मंदिर में चोरी हुई है। पुलिस के अनुसार ग्राम नानकसागर निवासी व रामचंडी मंदिर संचालन समिति गढफुलझर के अध्यक्ष कमलचंद प्रधान ने बताया कि शनिवार सुबह 7 बजे मंदिर के पुजारी प्रमोद प्रधान की सूचना पर मंदिर आकर देखा तो मंदिर का ताला टूटा हुआ था और मंदिर के सामने दान पेटी भी टूटा हुआ था। अंदर गर्भगृह की आलमारी का भी ताला टूटा था।

विश्व रक्तदान दिवस विशेष

सुकमा के जसराज जैन रायपुर में होंगे सम्मानित

भारत के सभी राज्य में हर 3 महीने में रक्तदान करने के जुनून को पूरा करने चाहते जसराज

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्ष सुश्री अनसुइया उइके की अध्यक्षता में विश्व रक्तदान दिवस 14 जून को दरबार हॉल, राजभवन रायपुर में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय रक्तदाता सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले से सर्वाधिक रक्तदान करने वाले एक रक्तदाता को सम्मानित किया जाएगा।

सुकमा जिला से जसराज जैन को जिले के अंतर्गत सर्वाधिक रक्तदान करने के लिए सम्मानित किया जायेगा। सुकमा निवासी 37 वर्षीय जसराज जैन पेशे से कपड़ा व्यवसायी हैं, जनहित में

कार्य करने को सदैव तत्पर और जुझारू रहते हैं। उन्होंने सुकमा जिला सहित दंतेवाड़ा, बीजापुर और जगदलपुर में रक्तदान किया है। वहीं ओड़िसा के मलकानगिरी और तेलंगाना के भद्राचलम में भी वे रक्तदान का पुण्य कार्य किए हैं। सुकमा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह सचिव इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने बताया कि जसराज जैन अभी तक विभिन्न स्थानों में कुल 23 बार रक्तदान कर चुके हैं। जसराज जैन ने बताया की उनका लक्ष्य है छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिलों सहित भारत के सभी राज्य में हर 3 महीने में रक्तदान करना। अब तक उन्होंने छत्तीसगढ़, ओडिशा और तेलंगाना में रक्तदान किया है। अब चौथे राज्य के रूप में महाराष्ट्र के किसी भी जिले में 25 से 30 जून के बीच मे रक्तदान करेंगे।

रक्तदान को कहा जाता है महादान

गौरतलब है कि हर साल 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरुक करना है, ताकि आप इस महादान के तमाम फायदों को समझ सकें और दूसरों के जीवन को बचाने में अपनी भूमिका निभा सकें रक्तदान को महादान कहा जाता है क्योंकि रक्तदान सिर्फ किसी व्यक्ति की जान नहीं बचाता, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। रक्तदान से आपका शरीर कई तरह की बीमारियों से बचा रहता है, शरीर में आयरन संतुलित रहता है। ऐसे में हृदय तमाम बीमारियों के जोखिम से बचा रहता है। साथ ही कैंसर की आशंका भी कम होती है। साथ ही दिमाग को भी सकारात्मकता मिलती है।

कुछ ही दिनों में बढ़ जाता है खून

लोगों को लगता है कि ब्लड डोनेट करने से शरीर में खून की कमी हो जाएगी और काफी कमजोरी आएगी। लेकिन जब आप रक्तदान करते हैं तो आपका शरीर खून की कमी को पूरा करने में जुट जाता है। इससे लाल रक्त कोशिकाओं का स्तर अगले कुछ महीने में बराबर हो जाता है। रक्तदान से पहले आपके शरीर की जरूरी जांचें की जाती हैं। आपकी रिपोर्ट्स जब ठीक होती है, तो ही आपको ब्लड डोनेशन के लायक समझा जाता है और तभी आपका ब्लड लिया जाता है। ऐसे में रक्तदान से पहले हुए हेल्थ चेकअप से आपको अपनी सेहत का पता चल जाता है।

भूमि पूजन कार्यक्रम में श्री सिद्ध बाबा आश्रम पहुंचे लोकसभा सांसद अरुण साव

जोहार छत्तीसगढ़-बिलासपुर।

लोकसभा सांसद अरुण साव ने सांसद निधि से 10 लाख की राशि के शेड निर्माण कार्य का भूमि पूजन रविवार की सुबह बिलासपुर लोकसभा सांसद ने बेलगहना के श्री सिद्ध बाबा आश्रम पहुंचे जहां श्री सिद्ध बाबा के चरणों मे नमन वंदन कर स्वामी श्री शिवानंद जी महराज का आशीर्वाद प्राप्त किया साथ ही समिति के सदस्यों व सांसद के आग्रह पर स्वामी शिवानंद जी महाराज भूमि पूजन स्थल पहुंचे जहां भक्तों आश्रम समिति, सदस्यों व श्रद्धालुओं के

बीच स्वामी शिवानंद जी महाराज व श्री साव के द्वारा भूमि पूजन किया गया ज्ञात हो कि सांसद साव ने बेलगहना क्षेत्र से की गई विभिन्न मांगों में शेड निर्माण कार्य को प्रमुखता देते हुए सांसद मद से 10 लाख के शेड निर्माण की अनुशंसा की थी। जिसकी स्वीकृति पश्चात भूमि पूजन किया गया। यह आश्रम समिति के साथ साथ क्षेत्र के लोगों के द्वारा की जाने वाली वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर क्षेत्र वासियों में खुशी का माहौल है पूरे कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष बेलगहना राजेश कश्यप, महामंत्री विश्वनाथ पटेल,अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष लखन पैकरा, छजका विधायक प्रतिनिधि मनोज गुप्ता,एवं आश्रम समिति के समस्त पदाधिकारी व भक्तगण मौजूद रहे।

यातायात पुलिस ने जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को किया गया जागरूक

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

पुलिस अधीक्षक सुकमा सुनील शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल के निर्देशानुसार एवम उप पुलिस अधीक्षक यातायात अमित देवांगन के मार्गदर्शन में

सोमवार को यातायात पुलिस सुकमा द्वारा जागरूकता अभियान के तहत सप्ताहिक बाजार सुकमा

में दूरदराज से आए हुए ग्रामीणों, वाहन चालकों को पाम्प्लेट वितरण कर व लाउड हेलर के माध्यम से दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने व तेज रफ्तार वाहन न चलाने, शराब सेवन कर वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तथा वाहनों में ओवरलोडिंग नहीं करने, क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठाने, राष्ट्रीय, राजकीय राजमार्ग मे अवैधानिक पार्किंग नहीं करने, वाहनों की बीमा की अनिवार्यता वाहन से संबंधित दस्तावेज आदि यातायात नियमों के बारे में समझाईश देकर जागरूक किया गया।

समय अनुशासन का अनिवार्य रूप से करें पालन- कलेक्टर विनीत नंदनवार

संयुक्त जिला कार्यलय का किया औचक निरीक्षण, उपस्थिति पंजी जांची

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

सोमवार को सुबह 10 बजे दफ्तरों के दरवाजे खुलते ही कलेक्टर विनीत नंदनवार ने संयुक्त जिला कार्यलय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम सुकमा सुश्री प्रीति दुर्गम भी उपस्थित रहीं। श्री नंदनवार ने संयुक्त जिला कार्यालय में संचालित सभी विभागों की उपस्थिति पंजी की स्वयं जांच की और अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति का अवलोकन किया। इस दौरान अनुपस्थित पाए गए समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ ही उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं।

अनुपस्थित अधिकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही के दिए निर्देश

उन्होंने अवकाश पर गए अधिकारी कर्मचारियों के आवदेन भी जांचे और स्वीकृत अवकाश दिवस से अधिक दिन छुट्टी पर रहने वालों पर भी सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया है।

*सहायक संचालक,

उद्यानिकी विभाग पर जताई नाराजगी

कलेक्टर नंदनवार एवं एसडीएम सुश्री प्रीति दुर्गम ने अनुपस्थित अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से बात कर, कार्यलय में समय पर उपस्थित ना रहने का कारण जाना। इस दौरान उद्यानिकी विभाग सुकमा में पदस्थ सहायक संचालक हितेश नाग द्वारा असंतोषजनक जवाब दिए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा है कि सप्ताह के पहले दिवस ही कार्यालय में अनुपस्थित रहना, कार्य के प्रति लापरवाही और अनुशासनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विभाग प्रमुख यह सुनिश्चित करें कि वे स्वयं समय पर कार्यालय में उपस्थित रहे, ताकि अन्य अधिकारी कर्मचारी भी समय अनुशासन का पालन करें। इसके साथ ही एसडीएम सुकमा सुश्री प्रीति दुर्गम को कार्यालयों का नियमित निरीक्षण करते रहने हेतु निर्देशित किया है।

बेमेतरा पुलिस ने अवैध कारोबारियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेद्र सिंह के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा पंकज पटेल, एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल के मार्गदर्शन में प्रतिदिन पूरे जिले में थाना / चौकी प्रभारियों के द्वारा अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा पर लगातार कार्यवाही की जा रही है जिसके तहत दिनांक 12 व 13 जून 2022 को थाना बेरला एवं चौकी कंडरका पुलिस को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि मनोज ठाकुर हसदा यादव होटल एवं ग्राम भिंभौरी का देवेन्द्र कुमार वर्मा बस स्टैण्ड यात्री प्रतिक्षालय भिंभौरी के पास व ग्राम मुडपार निवासी रामदास सोनवानी अपने घर के पास में अवैध रूप से धन

अर्जित करने की नियत से शराब बिक्री कर रहा है कि सूचना पर थाना बेरला एवं चौकी कंडरका स्टाफ गवाहो के साथ मौके पर पहुचकर घेराबंदी कर पकडा गया। जिसमें 3 प्रकरण में 3 आरोपी मनोज ठाकुर पिता विष्णु प्रसाद ठाकुर उम्र 42 साल साकिन हसदा, देवेन्द्र कुमार वर्मा पिता मुंशीराम वर्मा उम्र 34 साल साकिन भिभौरी चौकी कंडरका थाना बेरला, रामदास सोनवानी पिता रजऊ सोनवानी उम्र 55 साल साकिन मुडपार थाना बेरला जिला बेमेतरा के कब्जे से 60 पौवा देशी मशाला शराब (10,800ml) कीमती 6,600/- रूपये एवं बिक्री रकम 770/- रूपये जुमला रकम 7,370/- रूपये को आबकारी एक्ट के तहत जप्त कर कार्यावाही किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना बेरला प्रभारी उप निरीक्षक नासिर खान, चौकी कंडरका प्रभारी उप निरीक्षक रंजित प्रताप सिंह, सउनि कंवल सिंह नेताम, प्रधान आरक्षक लोकेश गौसेवक, भूषण ठाकुर, नरेन्द्र मनहरे, आरक्षक संजय पाटिल, योगेश साहू, रामकुमार भारती, सुरेन्द्र जांगडे, भुषण मारकंडे, तुका राम निषाद, दिनेश निषाद एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भुमिका रही।

बालिका-छात्रावास के बाहर अभी भी कब्जाधारी कब्जा कोटा-तहसीलदार का संरक्षण या फिर हॉस्टल-अधीक्षक का

छात्रावास की-महिला-कर्मचारी पर 10 हजार रुपए का अर्थदंड, बावजूद हॉस्टल-महिला-कर्मचारी के हौसले बुलंद

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

एसडीएम-कार्यालय व तहसील कार्यालय से लगे वार्ड नं-03 में स्थित बालिका-छात्रावास के बाहर मकान बनाकर बेजा-कब्जा करने वाली छात्रावास की महिला-कर्मचारी पर आखिरकार-कार्यवाही क्यो नही की जा रही है-?

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

जबकि पूरा मामला तहसील-कार्यालय में वर्तमान तहसीलदार-कोटा के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है-? पूरे मामले से अवगत होने के बाद कोटा तहसीलदार के द्वारा बकायदा कब्जाधारी पर 10/हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया जा चुका है-? बावजूद उसके कब्जाधारी महिला कर्मचारी आज की तारीख में भी कब्जा जमाए बैठी हुई है-? बेजा-कब्जा आखिर क्यों नही हटाया जा रहा है, क्या इस पूरे मामले में कोटा तहसीलदार या हास्टल-अधीक्षक की कोई विशेष भूमिका है, या फिर तहसीलदार कोटा सहित हॉस्टल-अधीक्षक का छात्रावास की कब्जेधारी महिला कर्मचारी को संरक्षण प्राप्त है..जिसके वजह से छात्रावास की महिला कर्मचारी के हौसले बुलंद हैं।

पूरा-मामला कोटा-तहसील-कार्यालय से लगे शासकीय-बालिका-छात्रावास का है छात्रावास की दीवार से लगे छात्रावास के मेन-गेट के बगल से ही छात्रावास की ही कर्मचारी श्रीमती रुक्मिना खंडे पति हीराराम निवासी बेलगहना द्वारा अवैध-निर्माण कराया गया है..जिसकी लिखित-शिकायत कोटा-तहसीलदार के समक्ष की गई थी...जिस पर वर्तमान तहसीलदार कोटा प्रांजल मिश्रा द्वारा संबंधित-अधिकारी को जांच के आदेश दिए गए थे जांच उपरांत-राजस्व निरीक्षक-पटवारी द्वारा पाया गया कि श्रीमती रुक्मिना-खंडे द्वारा शासकीय-छात्रावास के सामने की शासकीय-भूमि पर किया गया निर्माण-पूरी तरह से अवैध हैं..जिसके बाद तहसीलदार-कोटा के द्वारा बेजा-कब्जाधारी पर 10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया..साथ ही कब्जाधारी द्वारा अवैध-निर्माण को तोड़ने के आदेश भी दिया गया..मामले में आदेश होने के काफी-समय बाद भी बेजा-कब्जा नही हटाया जाना तहसीलदार-कोटा की भूमिका पर सवाल उठाता है-?आखिर तहसीलदार के आदेश के बाद भी बेजा-कब्जा क्यो नही हटाया जा रहा है-?या फिर इस पूरे मामले में कब्जाधारी को तहसीलदार-कोटा या फिर छात्रावास-अधीक्षक का संरक्षण प्राप्त है..तहसीलदार सहित छात्रावास-अधीक्षक की भूमिका की जांच का विषय है।

इस पूरे मामले को लेकर एसडीएम-कोटा सूरज कुमार को पूरे मामले से अवगत कराया कराने पर एसडीएम कोटा ने पूरे मामले की जानकारी कोटा-तहसीलदार से लेने की बात कही।*

साजा पुलिस की कार्यवाही

चोरी गये मोटर सायकल सहित आरोपी युवक गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

प्रार्थी भेखुराम ठेठवार पिता दशरथ ठेठवार उम्र 32 साल साकिन केवतरा थाना साजा ने थाना हाजिर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह लक्ष्मीनारायण चांडक साजा के दुकान में काम करता है जो लक्ष्मी नारायण के एचएफ डिलक्स मोटर सायकल क्रमांक CG 25 5546 को लेकर हनुमंत कृपा फोटो फ्रेमिंग दुकान साजा में समान लेने गया था कि अज्ञात आरोपी द्वारा उपरोक्त मोटर सायकल कीमती करीबन 50 हजार रूपये को चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर थाना साजा में अपराध क्रमांक 176/2022 धारा 379 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया।

उक्त घटना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल के द्वारा थाना साजा प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह भारद्धाज एवं थाना स्टाफ को माल मुल्जिम पता तलास करने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रकरण में माल मुल्जिम पता तलाश विवेचना के दौरान आरोपी खोमलाल नेताम पिता चुनुराम नेताम उम्र 24 साल साकिन गाडाभाठा थाना साजा जिला बेमेतरा को ग्राम जांता अमलीडीह मोड के पास उक्त मोटर सायकल सहित पकडा गया। जिससे पुछताछ करने पर मोटर सायकल को चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी खोमलाल नेताम के पेश करने पर उपरोक्त चोरी गये मोटर सायकल क्रमांक छ्त्र 25 5546 कीमती करीबन 50 हजार रूपये को जप्त कर बरामद किया गया।

आरोपी खोमलाल नेताम पिता चुनुराम नेताम उम्र 24 साल साकिन गाडाभाठा थाना साजा जिला बेमेतरा को दिनांक 12 जून 2022 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

उक्त कार्यवाही में थाना साजा प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह भारद्धाज, प्रधान आरक्षक डामेश्वर सिंह, आरक्षक जय किशन साहू, इंदरमन निषाद एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भुमिका रही।

सड़क हादसे में दो युवक की मौत

महासमुंद। ग्राम टेमरी से बाइक में वापस लौट रहे दो युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया है। जानकारी के मुताबिक बिटांगीपाली निवासी सुभाष नाग पिता नरसिंग (35) और सुनील कुमार शाह पिता उद्धव (30) बाइक क्रमांक सीजी 06 जीडी 1879 ग्राम टेमरी किसी कार्य से गए थे जो रात करीब 8-9 के बीच लौट रहे थे। इसी बीच एनएच 53 में बिटांगीपाली के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को ठोकर मार दी जिससे वे गंभीर रुप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए बसना सीएचसी लाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ओयामी हिड़मे का नाम रिसर्वे सूची में

स्वीकृति प्राप्त होने पर जल्द मिलेगी पीएम आवास योजना का लाभ

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

4 जोहार खबर | जोहार छत्तीसगढ़

दीपिका से मिलकर 80 वर्षीय अम्मा के छलके आंसू कहा नोनी घर दिलवा दो

खबर का असर

बीते दिनों जोहार छत्तीसगढ़ के टिम ने इस खबर प्रमुखता से प्रकाशित किया था, अब प्रशासन हरकत में । आज विकासखंड छिंदगढ़ के ग्राम पंचायत डोडपाल के आश्रित ग्राम तोंगरास की बुजुर्ग महिला ओयामी हिड़मे पति स्वर्गीय हूंगा को पीएम आवास का लाभ नहीं मिलने की खबर के संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा जांच में पाया गया है कि, हितग्राही ओयामी हिड़मे के सुपुत्र ओयामी भीमा का आवास योजना के अंतर्गत पंजीयन हुआ है। ओयामी भीमा का नाम छूटे हुए पात्र हितग्राहियों की सूची (रिसर्वे सूची) में नाम अंकित है। राज्य कार्यालय द्वारा स्वीकृति प्राप्त होने पर हितग्राही को नियमानुसार आवास योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

विभिन्न संकुल क्षेत्रों के गुरुजनों को मिली यातायात जागरूकता व व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी जानकारी

जोहार छत्तीसगढ़

कोरिया । मुख्यमंत्री शाला एवं व्यक्तिगत सुरक्षा विषय पर चल रहे तीन दिवसीय संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को संकुल केंद्र जनगहना ,खरवत एवं मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल बैकुंठपुर के शिक्षक-शिक्षिकाओं को यातायात जागरूकता एवं व्यक्तिगत सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य व पाक्सो अधिनियम से संबंधित जानकारी प्रदान किया गया ।

प्रशिक्षण के दौरान यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों संबंधी विस्तृत जानकारी जिले में ट्रैफिक मैन के नाम से मशहूर लांस नायक महेश मिश्रा ने प्रदान करते हुए कहा कि आप एक शिक्षक हैं आपके कंधों पर समाज की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है निश्चित रूप से आप एक पथ प्रदर्शक का कार्य कर रहे हैं आप को यातायात नियमों को जानना और उन नियमों का पालन करना इसलिए भी अनिवार्य है क्योंकि आप दूसरों के लिए एक उदाहरण बनते हैं। यातायात नियमों के तहत अनिवार्य, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्हों के साथ वाहन चलाने के नियम, सड़कों पर चलने के नियम ,हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, बच्चों के लिए यातायात के नियम, दुर्घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी व बचाव के उपाय बताए। प्रशिक्षण में यूनिसेफ की जिला समन्वयक रूमाना खान ने बच्चों की सुरक्षा, पोषण आहार, पाक्सो व जे.जे.एक्ट, मानसिक स्वास्थ्य ,यक्तिगत सुरक्षा के साथ शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य पी.सी. यादव, शैक्षिक समन्वयक सुश्री संध्या मिश्रा, इंद्रजीत सिंह, अंबिका प्रसाद वर्मन, छत्रपाल राजवाड़े मास्टर ट्रेनर श्रीमती पुष्पा भगत, राजकुमार सिंह, राधेश्याम कुर्रे सहित विभिन्न संकुल क्षेत्रों के शिक्षक -शिक्षिका उपस्थित रहे।

एक नजर

गोधन न्याय योजना से मिले लाभ की ऐसी भी कहानी

गोबर बेचकर दिलमत बाई कमाए पैसे और बनवाया पक्का शौचालय

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

छतीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना गोधन न्याय योजना पूरे प्रदेश में नए आयाम गढ़ रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महती भूमिका निभा रही है। गोबर बेचकर अतिरिक्त आमदनी से किसानों और पशुपालकों को अपने सपने साकार करने में मदद मिली है। जिले में लोगों ने गोबर बेचकर मिली राशि का उपयोग खेती-किसानी, पशुक्रय से लेकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, गृह निर्माण, और गाड़ी तक खरीदने जैसे कामों में किया है। लेकिन दिलमत बाई ने इन सबसे हटकर काम किया जिससे उन्होंने स्वच्छता और सुरक्षा की मिसाल कायम की है और इसमें उनकी मदद की शासन की गोधन न्याय योजना ने। विकासखण्ड खड़गवां के ग्राम पंचायत खंधौरा की दिलमत बाई साहू ने ग्राम गौठान में गोबर बेचकर व्यक्तिगत शौचालय बनवाकर स्वच्छता और सुरक्षा की मिसाल पेश की है। वे बताती हैं कि परिवार में बहु-बेटियों सहित 11 सदस्य हैं। शौचालय की स्थिति खराब होने के कारण नित्यकर्म के लिए बाहर जाना पड़ता था, जो स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की दृष्टि से ठीक नहीं था। कच्चे शौचालय को पक्का बनवाकर उपयोगी बनाने की योजना कई दिनों से थी, जो अब शासन की इस गोधन न्याय योजना के कारण पूरी हुई है। दिलमत बाई को गोधन न्याय योजना के तहत गौठान में 21 हजार 295 किलोग्राम गोबर बेचकर 42 हजार 590 रुपए प्राप्त हुए। इसमें उन्होंने कुछ अपनी राशि जोड़ी और घर में पक्का शौचालय बनवाया है।

सड़क बनने से बरसात में होने वाली परेशानियों से मिलेगी निजात - गुलाब

विधायक ने किया सड़क और पुलिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त विधायक गुलाब कमरो ने सोमवार को भरतपुर विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में जहां बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों का भूमि पूजन किया वहीं जनसंपर्क एवं गाँव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की मांगों और उनकी समस्याओं का समाधान किया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज करने और ग्रामीणों को सुख-सुविधा मुहैया कराने के लिए विधायक गुलाब कमरो द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सोमवार को विधायक द्वारा ग्राम पंचायत उमरवाह के बादामडंडी पारा के बर नाला में 4 लाख 85 हजार की लागत से बनने वाली पुलिया निर्माण का विधिवत भूमि पूजन किया गया। इसी क्रम में उन्होंने ग्राम पंचायत रामगढ़ में 16 लाख 29 हजार, ग्राम पंचायत कुदरा के मसौरा में 15 लाख 52 हजार, ग्राम पंचायत पूंजी में 14 लाख 74 हजार एवं ग्राम पंचायत घटई में मुख्य मार्ग से बस्ती तक 19 लाख 91 हजार की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य तथा ग्राम पंचायत पूंजी के छिरहा टोला स्थित बरटोला में 5 लाख 83 हजार रूपए की लागत से बनने वाले पुलिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। विधायक ने कहा कि सड़कों का निर्माण होने से जहां लोगों को आवागमन में सुविधा होगी वहीं बरसात में होने वाली परेशानियों से भी निजात मिलेगी।

चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

विधायक गुलाब कमरो ने ग्राम पंचायत मलकडोल सहित पूंजी, कुदरा, घटई, रामगढ़ एवं उमरवाह में चौपाल लगाई। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। मांगों से संबंधित कुछ समस्याओं को शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन देते हुए उनके द्वारा मौके पर ही निराकरण किया गया वहीं कुछ समस्याओं के निस्तारण हेतु जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देश दिए गए। विधायक ने कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के रहन-सहन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में नए कार्यों की स्वीकृति दिलाकर जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराने की प्रक्रिया तेज की गई है साथ ही कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को निस्तारित नहीं करने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे। जो भी लापरवाही करेगा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी।

दहेज के नाम पर महिला को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपियों द्वारा महिला को दहेज में मोटरसाइकिल नहीं लाई हो कहकर करते थे प्रताड़ित

नवविवाहित महिला प्रताड़ित होकर अपने ऊपर मिट्टी तेल छिड़ककर आग लगाकर की आत्महत्या

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

कोटा पुलिस द्वारा नवविवाहित महिला को दहेज के नाम पर मोटरसाइकिल नहीं लाए हो कहकर प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले 5 आरोपीयो को पुलिस ने किया गिरफ्तार।कोटा करगीकला ग्राम के नोहर साहू की नवविवाहिता पत्नी की घर में आग में जलने की सूचना पर तत्काल कोटा पुलिस द्वारा जाकर तस्दीक किया गया। मौके पर नोहर साहू की पत्नी नागिता उर्फ श्वेता साहू की आग से जलकर मृत्यु चुकी थी। मौके पर मिट्टी तेल, माचिस पडा था। पंचनामा कार्यवाही कर शव का पीएम कराया गया। मामले में जांच दौरान मृतिका नगीता उर्फ श्वेता साहू उम्र 24 साल को उसके ससुराल वाले दहेज में मोटरसाइकिल नहीं लाए हो कहकर प्रताड़ित करते थे जिससे मृतिका तंग आकर मिट्टीतेल अपने आप के ऊपर छिड़क कर माचिस से आग लगा ली। जिससे मृतिका की मौके पर ही मृत्यु हो गई।उक्त मामले में जांच दौरान अपराध सबूत पाए जाने से मृतिका के पति नोहर कुमार साहू, ससुर लेधरुराम साहू, सास सातीन बाई, मनोहर साहू, माया साहू निवासी करगीकला थाना कोटा जिला बिलासपुर को गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही की जा रही है।

जिले में बाल उन्मूलन सप्ताह 20 जून तक

श्रमिक, अपशिष्ट संग्राहक, भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों के रेस्क्यू एवं पुनर्वास के लिए चलाया जाएगा अभियान

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर बाल श्रमिकों के समस्या एवं उनके उन्मूलन के लिए 20 जून तक बाल श्रम उन्मूलन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर विनीत नन्दनवार के मार्गदर्शन में 12 से 20 जून तक जिले में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत् बाल श्रम एवं फुटपाथ पर रह रहे बालकों के रस्क्यू एवं पुनर्वास के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान बाल श्रमिक एवं ऐसे बच्चे जो बिना किसी सहारे के सड़कों पर अकेले रहते है, दिन में सड़कों पर रहते है और रात में निकट की झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में रहने वाले अपने परिवार के पास घर आ जाते हैं, ऐसे श्रेणी के बच्चे अपनी उत्तरजीविता, भोजन, पानी, वस्त्र, आश्रय एवं संरक्षण के लिए प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के संघर्षों एवं चुनौतियों का सामना करते हैं। ऐसे बच्चों का पहचान कर उन्हें संरक्षण प्रदान करने, शिक्षा एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने, उनके परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाते हुए उनके प्रशिक्षण एवं रोजगार की व्यवस्था के लिए विभिन्न विभाग के समन्वय से कार्ययोजना बनाई जाएगी।

अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी परियोजना अधिकारियों को परियोजना स्तर, पर्यवेक्षक को सेक्टर स्तर पर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित गया गया है। इसी तरह पंचातय स्तर पर ग्राम पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समितियों का गठन कर पंचायत सचिवों को कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। अभियान में चिन्हांकित बालकों को बालक कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर किशोर न्याय अधिनियम 2015 एवं नियम 2018 के प्रावधान अनुसार पुनर्वास की कार्यवाही के साथ ही पोर्टल पर सभी बालकों के संबंध में जानकारी संधारित की जाएगी।

जिला सुकमा में बाल श्रम एवं स्ट्रीट सिचुएशन्स में रह रहे बालकों को बेहतर भविष्य एवं उनके परिवार को शासकीय योजनाओं से जोड़कर लाभ पहुंचाने, बच्चों की देखरेख, उनके शाला प्रवेश तथा शिक्षा निरंतर जारी रखने, उन्हे आश्रय प्रदान किए जाने के उद्देश्य से, उचित सुविधा उपलब्ध कराने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग एवं श्रम विभाग की संयुक्त दल 22 जून तक सुकमा जिला मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in